नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची

116. 167-168 **जनवरी-जून, 2009** * **क्हानियां**

1. टाइम पास - शिव मैहता
2. बझला - राज राही
3. तपाश - संतोष सांगड़ा
4. कलापे दा बियाबान - अनिल शर्मा

* **भाव छुआले**

1. टोटे-टोटे सच्च - ज्ञानेश्वर
2. दो धारां - ज्ञानेश्वर
3. कूरने - शकुन्त 'दीपमाला'
4. कारक (नसिंह ृभगवान) - चन्द्रमौली जन्द्राही
5. चार गज़लां - विजया ठाकुर
6. पंज कवितां - शिवनाथ
   - चन्न
   - स्रिश्टी दे रूप रंग
   - पृथ्वी
   - प्रकृति
   - परछामें

* **हास्य-व्यंग**

लखारी बनाम शकारी - सुरजीत 'होश' बड़सली

* **साहित्य परचोल**

1. कविता संग्रैह् ' पतझड़ दा अंत ' - इक पाठक दी नजरी च - संदीप दुबे
2. डोगरी साहित्य च संस्मरणात्मक लेख : - इक विश्लेशन - डॉ. विजय सेठ
3. तारा दानपुरी ते चेतना - देश बंधु डोगरा 'नूतन'